B.M.A COLLEGE , BAHERI,DARBHANGA
(A CONSTITUENT UNIT OF LNMU)
BA DEGREE-1
HISTORY HONS.
PAPER-1
UNIT-2(II)
DEPARTMENT OF HISTORY
PANKAJ KUMAR MISHRA
DATE-07/10/2020

# TOPIC:- प्रथम एवं द्वितीय नगरीकरण में अंतर

## DIFFERENCE BETWEEN FIRST AND SECOND URBANISATION

Scanned with CamScanner

# प्रथम एवं द्वितीय नगरीकरण में अंतर

**भौगोलिक क्षेत्र में अंतर :** प्रथम नगरीकरण सिंधु घाटी एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में हुआ और यह युग कांस्य युग था। जबकि द्वितीय गंगाघाटी में 600 B.C में हुआ और यह लौह युग था।

**सिक्कों के प्रयोग में :-** धातु के सिक्कों का प्रयोग दोनों नगरीकरण का दूसरा सबसे प्रमुख अंतर है। कांस्युगीन हड़प्पा सभ्यता के प्रथम नगरीकरण में मुहरों का उल्लेख तो मिलता है और यह मुहरें सेलखड़ी, कांस्य आदि की बनी होती थी लेकिन इन मुहरों का प्रयोग विनिमय के रूप में नहीं होता था। जबकि गंगाघाटी के लौहयुगीन द्वितीय नगरीकरण में चांदी निर्मित PUNCHMARKED COINS का प्रयोग विनिमय के रूप में किया जाता था। इन सिक्कों के प्रयोग ने मौद्रिक अर्थव्यवस्था को जन्म दिया।

**शहरों की जीवनावधि में :-** हड़प्पाई शहर अपनी तमाम विशेषताओं के साथ 2350 BC–1700 BC तक अस्तित्व में रहे अर्थात् इनका शहरी जीवन 600 वर्षों तक कायम रहा। इसके बाद भारत में एक लंबे अंतराल (लगभग 1000 वर्षों) तक शहरों का उदय नहीं हुआ। दूसरी ओर गंगा घाटी में शहरी जीवन 600 BC में शुरू हुआ। वह इसका पूर्ण रूप से अंत कभी नहीं हुआ और आगे भी जब हर्ष के समय नगरों की स्थिति में ह्रास होता है, तब भी सीमित संख्या में सही नगरों का अस्तित्व प्रवाहमान रहा।

**शहरीकरण की प्रवृति में —** सिंधु सभ्यता के शहरीकरण का स्वरूप अतिविकसित एवं परिपक्वता लिए हुए था। सुनियोजित नगर निर्माण योजना, उत्तम जल निकासी व्यवस्था इस नगरीकरण के विशिष्ट आयाम थे। दूसरी तरफ गंगा घाटी के द्वितीय नगरीकरण के उदय की प्रक्रिया अत्यंत धीमी थी। वहाँ शहरों का भौतिक जीवन बहुत ऊँचा नहीं था। कौशाम्बी, वाराणसी, चंपा जैसे नगरों में मकान कच्ची ईंटों के ही बने होते थे। आगे मौर्य में पक्की ईंटों का प्रयोग शुरू हो पाया। द्वितीय शहरीकरण की प्रवृति 200 B.C–300 AD के बीच काफी पराकाष्ठा पर पहुँच गई और संपूर्ण भारत में नगर बने।

**वैदेशिक संपर्क :-** प्रथम नगरीकरण के दौर में शहरीकरण की पराकाष्ठा का कारण मेसोपोटामिया आदि के साथ विकसित व्यापार था तो द्वितीय नगरीकरण में एक महत्वपूर्ण कारण मध्य एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया से व्यापार था।

Pankaj
07/10/2020